BSES

बीवाईपीएल व आईआईटी दिल्ली का समझौता

नई रिसर्च से मिलेगी निर्बाध बिजली आपूर्ति, लोकल फॉल्ट्स भी होंगे कम

- घाटे पर लगेगा अंकुश
- स्मार्ट ग्रिड पर भी होगा काम

नई दिल्लीः 12 जुलाई, 2010। बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड और आईआईटी दिल्ली ने आज एक महत्वपूर्ण समझौता किया है, जिसके तहत, ये दोनों प्रतिष्ठित संस्थान नए – नए उपकरणों व टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करेंगे। यह अपनी तरह का पहला *इंडस्ट्री–अकेडमिया* समझौता है, जब **एटीएंडसी लॉस में ऐतिहासिक कमी (63.16 प्रतिशत से घटकर 23 प्रतिशत) लाने वाली कंपनी बीवाईपीएल, और शिक्षा व रिसर्च का मक्का कहे जाने वाले आईआईटी** एक मंच पर आकर रिसर्च व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम करेंगे। इससे एक ओर जहां उपभोक्ताओं को निर्बाध, बेहतर व गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर वितरण सेक्टर का एटीएंडसी घाटा भी कम होगा।

आज, शक्तिकिरण बिल्डिंग, कड़कड़डूमा स्थित बीवाईपीएल मुख्यालय में बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन और आईआईटी दिल्ली में ***फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर*** (एफआईटीटी) के एमडी डॉ अनिल वाली ने एक समझौता–पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस अनोखे *इंडस्ट्री इंस्टिट्यूशन कोलैबोरेटिव इनिशिएटिव* के तहत, ये दोनों संस्थाएं एक–दूसरे के संसाधनों का उपयोग कर सकेंगी। मसलन, आईआईटी दिल्ली की टीम बीवाईपीएल के तमाम इंस्टॉलेशंस को देख व उनका अध्ययन कर सकेगी, और बीवाईपीएल की टीम आईआईटी दिल्ली के लेबोरेटरीज का उपयोग कर पाएगी। शुरूआत में यह समझौता तीन साल के लिए है।

बीवाईपीएल सीईओ ने कहा :

नामी बिजली कंपनी और नामी इंजीनियरिंग संस्थान के बीच, यह देश में अपनी तरह की पहली व अनोखी क्रांतिकारी पहल है। हालांकि पिछले सालों के दौरान वितरण तकनीक में काफी सुधार हुआ है, लेकिन 1900 की शुरूआत से लेकर अब तक इसके आधारभूत फॉर्मूले में कोई खास बदलाव नहीं आ पाया है। इस समझौते में इस बात पर फोकस होगा कि कैसे नई व स्मार्ट तकनीक सामने आए, जिससे उपभोक्ताओं को तो फायदा हो। एक उद्देश्य यह भी है कि कैसे वितरण सेक्टर में भी उसी गति से नई तकनीक आए, जिस गति से उत्पादन व ट्रांसमिशन सेक्टर में आ रही है। उन तकनीकों पर जोर होगा, जिनसे एक ओर जहां उपभोक्ताओं को बेहतर, निर्बाध व गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति मिले, वहीं ट्रांसमिशन व वितरण घाटे में और कमी आए।

आईआईटी (एफआईटीटी) एमडी ने कहा :

यह एक डायनैमिक इंडस्टी–अकेडमिया इंटरफेस है, और मुझे इस बात का पूरा भरोसा है कि आईआईटी दिल्ली और बीवाईपीएल का जुड़ाव ज्ञान और तकनीक की शेयरिंग व इनोवेशन की दिशा में महत्पूर्ण कदम साबित होगा।
गौरतलब है कि आईआईटी दिल्ली उत्पादन और ट्रांसमिशन के क्षेत्र में पहले से ही काम कर रही है। सीमेन्स, एबीबी, बेल, मित्सुबिशी और भेल आदि के साथ इनका समझौता है। कार निर्माता कंपनी मर्सिडीज और जनरल इलेक्ट्रिक से भी आईआईटी दिल्ली का करार है।

क्या करेंगे आईआईटी दिल्ली व बीवाईपीएलः

आईआईटी दिल्ली और बीवाईपीएल मिलकर, बिजली वितरण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर रिसर्च करेंगे और नए–नए फीचर्स वाले, स्मार्ट उपकरणों व तकनीकों को ईजाद किया जाएगा । इन पर बीवाईपीएल व आईआईटी, दोनों का संयुक्त पेटेंट होगा।

बेहतर सप्लाई मिलेगी :

नए रिसर्चों, तकनीकों व उपकरणों से बीवाईपीएल उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। नेटवर्क की विश्वसनीयता बढ़ेगी और एटीएंडसी घाटा भी कम होगा।

लोकल फॉल्ट कम होंगे :

गहन रिसर्च के बाद सामने आने वाले तकनीक व उपकरण वर्तमान सिस्टम को काफी मजबूत बनाएंगे, जिससे ब्रेकडाउन व लोकल फॉल्ट्स कम होंगे। यही नहीं, यह तकनीक बिजली कंपनी के उपकरणों को बहुत ज्यादा गर्म होने से भी बचाएगी। जाहिर है, उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति मिलती रहेगी।

स्मार्ट ग्रिड पर भी होगा फोकस :

आईआईटी दिल्ली व बीवाईपीएल स्मार्ट ग्रिड की दिशा में भी रिसर्च करेंगी। इस रिसर्च की बदौलत आने वाले दिनों में ग्रिड ऐसे होंगे, जिनका जीवन तो अधिक होगा ही, अधिक लोड उठाने में भी वे सक्षम होंगे और साथ ही, कोई गड़बड़ी होने की स्थिति में ग्रिड खुद ही यह पता लगा लेगा कि आखिर दिक्कत कहां है। इसकी सूचना तुरंत संबंधित विशेषज्ञों तक पहुंच जाएगी और दिक्कत को ठीक कर लिया जाएगा।

वितरण सेक्टर के अलावा तकनीकी संस्थानों को भी फायदाः

बिजली वितरण के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी रिसर्च को गति मिलेगी। इससे इंजीनियरों को उपभोक्ताओं के हिसाब से तकनीक को देखने में मदद मिलेगी। बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन में जितनी नई तकनीकें आई हैं, उनके मुकाबले वितरण सेक्टर में कुछ भी नहीं आया है, जबकि यह सेक्टर करोड़ों उपभोक्ताओं से सीधे जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, आमतौर पर तकनीकी संस्थानों में जो इंजीनियर्स तैयार किए जा रहे हैं, वे सिर्फ उत्पादन व ट्रांसमिशन को ध्यान में रखकर ही तैयार किए जा रहे हैं। लेकिन, सच्चाई यह है कि उत्पादन व ट्रांसमिशन के मुकाबले वितरण सेक्टर में रोजगार के काफी ज्यादा अवसर हैं। ऐसे में, जब ये इंजीनियर्स वितरण सेक्टर में आते हैं, तो उन्हें इस सेक्टर को समझने और उस अनुरूप काम शुरू करने में काफी वक्त लग जाता है। आईआईटी दिल्ली और बीवाईपीएल के इस साझे कार्यक्रम से तकनीकी संस्थनों को अपने सिलेबस में वितरण सेक्टर के हिसाब से बदलाव करने में भी मदद मिलेगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस – 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस – 39999415 / 9350130304